भारत सरकार
पंचायती राज मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं 1184
दिनांक 03.12.2024 को उत्तरार्थ

पंचायती राज कर्मचारियों का आईआईटी और आईआईएम में प्रवेश

†1184. श्री जय प्रकाशः

क्या पंचायती राज मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने पहली बार संपूर्ण देश के पंचायती राज कर्मचारियों को डिजिटल साक्षरता, ग्रामीण विकास और उनके नेतृत्व क्षमता आदि के विकास के माध्यम से आगे बढ़ाने के उद्देश्य से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी), भारतीय प्रबंध संस्थानों (आईआईएम) में प्रवेश की अनुमति देने का निर्णय लिया है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पंचायती राज राज्य मंत्री

(प्रो. एस पी. सिंह बघेल)

(क) और (ख) जी हाँ, महोदय। मंत्रालय ने पंचायती राज संस्थाओं के अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत एक वर्ष तक की अवधि वाले दीर्घकालिक घरेलू प्रशिक्षण कार्यक्रमों को वित्तीय सहायता देने की पहल की है। ये कार्यक्रम उत्कृष्ट संस्थानों और अन्य राष्ट्रीय प्रतिष्ठित संस्थानों, जिसमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IITs) और भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIMs) शामिल हैं, के सहयोग से आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि पंचायती राज संस्थाओं के अधिकारियों की नेतृत्व क्षमता को बढ़ाया जा सके, जिससे जमीनी स्तर पर शासन को सशक्त किया जा सके और सतत ग्रामीण विकास सुनिश्चित किया जा सके।

इस संदर्भ में, मंत्रालय ने नेतृत्व/प्रबंधन विकास कार्यक्रमों के आयोजन के लिए छह IIMs (अहमदाबाद, शिलॉन्ग, अमृतसर, जम्मू, बोधगया, रोहतक), IIT धनबाद, और ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, आनंद (IRMA) के साथ समझौता ज्ञापनों (MoUs) पर हस्ताक्षर किए हैं। अब तक, चार IIMs (अहमदाबाद, अमृतसर, जम्मू, बोधगया) एवं एक ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, आनंद में कुल पांच आयोजित नेतृत्व/प्रबंधन विकास कार्यक्रमों के माध्यम से 193 प्रतिभागियों, जिनमें 38 निर्वाचित महिला प्रतिनिधि भी शामिल हैं, को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

*****